

महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा संचालित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन

भास्कर रामकृष्ण सुकारे

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कला—वाणिज्य

महाविद्यालय, सावली, जि. चंद्रपुर

डॉ. दिलीप जयस्वाल

प्राचार्य

राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षण महाविद्यालय,

विसापूर, जि. चंद्रपुर

१.० प्रस्तावना

किसी भी खेल के खिलाड़ी को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए अपने प्रशिक्षक से समय—समय पर परामर्श लेना पड़ता है। प्रशिक्षक खिलाड़ी की शारीरिक क्षमता और उसकी सामाजिक पहलूओं को ध्यान में रखकर प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाते हैं। खिलाड़ी संभावतः पारिवारिक व्यस्था पर निर्भर होता है। परिवार की सामाजिक व व्यक्तिपरीख नीतियों का खिलाड़ी की शारीरिक क्षमता और सामाजिक स्तर पर प्रभाव पड़ता है। जिससे रहन—सहन, आचार—विचार और व्यवहारों पर पूर्ण सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। खिलाड़ी के परिणाम पर संतुलित आहार, आधुनिक उपकरण और अच्छी सुविधाएँ लाभकारी होती है। इसी बातोंको ध्यान में रखकर शोधकर्तने महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा संचालित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन किया है।

२.० अध्ययन पद्धति

२.१ ऑकड़े प्राप्त करने के स्रोत एवं विषयों का चयन

अध्ययन हेतु महाराष्ट्र सरकार द्वारा संचालित शासकीय व अशासकीय कनिष्ठ विद्यालयों के १०—१० स्कूलों का चयन किया गया। प्रत्येक कनिष्ठ विद्यालय से ५०—५० खिलाड़ियों का चयन किया गया। खिलाड़ी विषयों की उम्र १६ से १८ वर्ष तक ही थी। चयनित खिलाड़ियोंमें आहपर युथ फिटनेस परीक्षण के माध्यम से जानकारी प्राप्त की गयी। इस अध्ययन में कुल १००० खिलाड़ी विषयों को सम्मिलीत किया गया।

२.२ अध्ययन का अभिकल्प

उपरोक्त अध्ययन हेतु अध्ययन का अभिकल्प रेण्डम ग्रुप डिझार्ड के माध्यम से किया गया।

२.३ परिक्षक की विश्वसनियता एवं परिक्षण की विश्वसनियता

इसके अंतर्गत परिक्षक एवं प्रशिक्षण की विश्वसनियता निकाली गई। इस कार्य हेतु अनुसंशाधनकर्ता पर्यवेक्षक की निगरानी में परिक्षण से संबंधित पद्धतियों का अनेक बार अभ्यास किया गया।

२.४ सांख्यिकीय पद्धति का चयन

इस अध्ययन के आकड़ों का विश्लेषण टी रेशीओ सांख्यिकीय परीक्षणद्वारा किया गया।

२.५ परीक्षण प्रशासन

खिलाड़ियों के कधों की विस्फोटक शक्ति का मापन पुल—अप्स परिक्षण के द्वारा किया गया। तथा पेट की सायु शक्ति का मापन सिट अप्स परिक्षण के द्वारा किया गया। खिलाड़ियों की चपलता क्षमता का मापन शटल रन परिक्षण के द्वारा किया गया और चपलता के मापन हेतु शटल रन परिक्षण किया गया। खिलाड़ियों की पैरों के विस्फोटक शक्ति का मापन स्टॉडिंग ब्राड जंप परिक्षण के द्वारा किया गया। खिलाड़ियों की गती का मापन ५० यार्ड डॅश के द्वारा किया गया। खिलाड़ियोंकी हृदय स्नायु सहनशीलता का मापन ६०० गज की दौड़/चलना के द्वारा किया गया। खिलाड़ियोंके लचीलेपन का मापन करने हेतु मौडिफाईड सिट एण्ड रिच टैस्ट का उपयोग किया गया।

३.० ऑकड़ों का विश्लेषण एवं अध्ययन का परिणाम

इस अध्ययन में संग्रहित ऑकड़ों का विश्लेषण किया गया एवं उन विश्लेषणों के आधार पर अध्ययन का परिणाम निकाला गया। तथ्य विश्लेषण व निर्वचन सारणी

विद्यालयों के खिलाड़ीयों की कंधों की विस्फोटक शक्ति उत्तम पाई गई।

४.२ मासपेशीय बल—स्ट—अप्स

- अध्ययन हेतु चयनित शासकिय व अशासकिय विद्यालयों के खिलाड़ीयों के मासपेशीय बल में सार्थक ($P<0.05$) भिन्नता पाई गई। तथा शासकिय विद्यालय की तुलना में अशासकिय विद्यालयों के खिलाड़ीयों का मासपेशीय बल उत्तम पाया गया।

४.३ चपलता —शटल रन

- अध्ययन हेतु चयनित शासकिय व अशासकिय विद्यालयों के खिलाड़ीयों की चपलता में सार्थक ($P<0.05$) भिन्नता पाई गई। तथा अशासकिय विद्यालय की तुलना में शासकिय विद्यालयों के खिलाड़ीयों की चपलता उत्तम पाई गई।

४.४ पैरों की विस्फोटक शक्ति — स्टॅर्डींग ब्रॉड जंप

- अध्ययन हेतु चयनित शासकिय व अशासकिय विद्यालयों के खिलाड़ीयों की पैरों की विस्फोटक शक्ति में कोई भिन्नता नहीं पाई गई। तथा अशासकिय विद्यालय की तुलना में शासकिय विद्यालयों के खिलाड़ीयों की पैरों के विस्फोटक शक्ति उत्तम पाई गई।

४.५ गती —५० यार्ड डॅश

- अध्ययन हेतु चयनित शासकिय व अशासकिय विद्यालयों के खिलाड़ीयों की गती में कोई भिन्नता नहीं पाई गई। तथा शासकिय विद्यालय की तुलना में अशासकिय विद्यालयों के खिलाड़ीयों की गती उत्तम पाई गई।

४.६ हृदय स्नायु सहनशीलता — ६००यार्ड रन—वॉक टेस्ट

- अध्ययन हेतु चयनित शासकिय व अशासकिय विद्यालयों के खिलाड़ीयों की हृदय स्नायु सहनशीलता में सार्थक ($P<0.05$) भिन्नता पाई गई। तथा अशासकिय शासकिय विद्यालय की तुलना में शासकिय विद्यालयों के खिलाड़ीयों की हृदय स्नायु सहनशीलता उत्तम पाई गई।

४.७ लचीलापन — मौडिफाईड सिट एण्ड रिच टैस्ट

- अध्ययन हेतु चयनित शासकिय व अशासकिय विद्यालयों के खिलाड़ीयों के लचीलेपन में सार्थक

($P<0.05$) भिन्नता पाई गई। तथा शासकिय शासकिय विद्यालय की तुलना में अशासकिय विद्यालयों के खिलाड़ीयों का लचीलापन उत्तम पाया गया।

५.० संर्दभसूची:

1. डि. फिलिप्स,एल.एन.एवम् होरनैक, जैम्स इ. मेजरमेंट एण्ड इवैल्युएशन इन फिजिकल एज्युकेशन, (न्यूयार्क: जॉन)
2. हरमन, ब. (१८८७). अर्बन तथा रूरल छात्रों की शारीरिक क्षमता का तुलात्मक अध्ययन” कम्लीटेड रिसर्च इन हैल्थ फिजिकल एज्यूकेशन एण्ड रिकिएशन वो. १०.
3. श्रीवास्तव, अ., (१९९३). शारीरिक शिक्षा में परिश्वेण और मापन, प्रथम संस्करण, (नागपूर : अमित ब्रदर्स पब्लिकेशन्स, पृ. ६९
4. फिलिप्स ए, एण्ड हॉरनेक, ज. (१९८८), मेजरमेंट इन फिजिकल एज्यूकेशन (फिलाडेल्फिया: ली एण्ड फेबर ब्रदर्स पब्लिकेशन, पृ. २६२—२६३
5. Bruijn, A.G., Hartman, E., Kostons, D., Visscher, C and Bosker, R. (2018). Exploring the relations among physical fitness, executive functioning, and low academic achievement, *Journal of Experimental Child Psychology*, 167, pp. 204-221.
6. Demirkan, E., Kutlu, M., Koz, M., Özal, M and Favre, M. (2014). Physical Fitness Differences between Freestyle and Greco-Roman Junior Wrestlers, *J Hum Kinet*, 41, pp. 245–251.
7. Gill, M, Deol N S, and Kaur R, (2010). Comparative Study of Physical Fitness Components of Rural and Urban Female Students of Punjabi University, Patiala, *Journal The Anthropologist*, 12(1), pp 17-21.
8. Kansal, Devinder (1996) K.,Test and Measurement In Sports And Physical Education, D.V.S. Publication, New Delhi, , P. 225.